3S5 **EE2**

D.El.Ed. Examination
JANUARY, 2023
MODEL ANSWER AND SCHEME OF MARKING
Second Year (2016 Revised Syllabus)
PEDAGOGY OF LANGUAGE (II Language)
HINDI
Time : 3.00 to 5.00 Hrs.

Date : 14/01/2023 **(12 Pages)** **Max. Marks : 40**

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सूचनाओं के अनुसार लिखिए :

(अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(1) लेखन 1

(2) दस 1

(ब) एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

(1) मूलमंत्र—हम सब भारतीय हैं। हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी है। हम सब एक हैं। 1

(2) पाँचवीं कक्षा 1

(क) सही या गलत बताइए :

(1) गलत 1

(ड) विलोमार्थी शब्द लिखिए :

(1) अंधेरा 1

(इ) नीचे दिए गये गलत विधानों का आशय सही करके लिखिए :

(1) भाषा का विकास मनुष्य की प्रगती को दर्शाता है। 1

(2) पाठ्यपुस्तक के लिए अंग्रेजी शब्द textbook है। 1

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 60 से 70 शब्दों लिखिए :

(1) **भाषा की विशेषताएँ :**

(*i*) विचार, अनुभूतियाँ तथा भावों का आदान-प्रदान

(*ii*) श्रवण और उच्चारण को महत्वपूर्ण स्थान

(*iii*) अनुकरण एवं अभ्यास द्वारा भाषा सीखना

(*iv*) भाषा परिवर्तनशील है।

(*v*) उत्तम नागरिक एवं चरित्र का विकास

(*vi*) राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका

(*vii*) शारीरिक तथा बौद्धिक विकास

(*viii*) विचार विनिमय का सर्वश्रेष्ठ साधन

(*ix*) प्रत्येक भाषा की संरचना अलग

(सिर्फ 4 विशेषताएँ, 2 अंक)

अथवा

संपर्क भाषा की दृष्टि से हिंदी का महत्व :

(*i*) राष्ट्रीय एकात्मता

(*ii*) राज्यों में परस्पर संबंध

(*iii*) राष्ट्रीय कर्त्तव्य की पूर्ति

(iv) सांस्कृतिक, साहित्यिक, व्यावहारिक उद्देश्य

(v) सामान्य भाषा

(vi) बंधुभाव बढ़ना

(4 मुद्दे, स्पष्टीकरण 2 अंक)

(2) **पठन दोषों का निराकरण :** 2

(i) बार-बार वाचन करवा लेना।

(ii) वाचन के लिए वातावरण तनाव रहित का निर्माण।

(iii) पाठ्यांश सुरुचिपूर्ण एवं रोचक हो।

(iv) ध्वनिमुद्रक यंत्र की सहायता।

(v) वाचन स्पर्धाओं का आयोजन।

(vi) छात्रों का वाचन में मन एकाग्र करना।

अथवा

हिंदी भाषा अभिरुची विकसन उपक्रम :

(i) हिंदी भाषण प्रतियोगिता आयोजन।

(ii) कविता पठन प्रतियोगिता।

(iii) सस्वर वाचन, मौनवाचन, कहावतें-मुहावरे पठन।

(iv) एकांकी, नाट्य प्रस्तुतीकरण।

(v) आकाशवाणी, दूरदर्शन हिंदी कार्यक्रम देखने का मौका।

(vi) हस्तलिखित, मासिक पत्रिका का संपादन।

(vii) सदविचारों का संग्रह करना।

(चार मुद्दे, 2 अंक)

(3) **आशययुक्त अध्यापन पद्धति के उद्देश्य :** 2

(i) छात्रों को आशय एवं पद्धति का संबंध समझाना।

(ii) शिक्षक में आशय पृथक्करण क्षमता का निर्माण।

(iii) शिक्षक को अपने विषय का तफशील, संबोध, उद्देश्य व्याकरण समझाने में मदद करना।

(iv) विषय की संरचना समझने में मदद करना।

(4) **वचन :** 2

किसी वस्तु या प्राणी की संख्या या बोध करने वाले शब्दों को वचन कहते हैं।

वचन के भेद :

(i) एकवचन

(ii) बहुवचन

(परिभाषा 1 अंक, भेद 1 अंक)

अथवा

व्यक्तिवाचक संज्ञा :

परिभाषा–जिस शब्द से एक ही विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का ज्ञान होता है, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहा जाता है।

उदाहरण –

बंबई, पूना, सीता, राम।

(परिभाषा 1 अंक, दो उदाहरण 1 अंक)

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर *120* से *160* शब्दों में लिखिए :

(1) श्रवण क्षमता-कक्षांतर्गत क्रियाएँ : 3

(*i*) शांत वातावरण निर्माण करके छात्रों का एकाग्र करना।

(*ii*) शिक्षक स्वयं कथा-कथन करे।

(*iii*) ऑडियो सीडी के द्वारा प्रभावी कथन सुनाना।

(*iv*) छात्रों को आदर्श पाठ, घटना, प्रसंग सुनाना।

(*v*) भाषिक खेल खेलना।

(*vi*) सुनो और पहचानो, पहेलियाँ पूछना।

(*vii*) शब्द खेल खेलना।

(*viii*) दो गुट बनाकर स्तर के अनुसार खेल खेलना।

(2) **नाट्यीकरण पद्धति से छात्रों को लाभ :**

(*i*) पाठ सजीव, आकर्षक तथा सशक्त बनता है।

(*ii*) छात्र स्वयं पढ़ाई करते हैं।

(*iii*) प्रभावपूर्ण अध्ययन होता है, कंठस्थ करने की आदत।

(*iv*) छात्रों की अध्ययन में रुचि बढ़ना।

(*v*) छात्रों की अवधान का केंद्रीकरण होता है।

(*vi*) अभिनय कला का विकास।

(*vii*) भाषण तथा वाचन कौशल का विकास।

(*viii*) वक्तृत्व कला का विकास।

(*ix*) रंगमंच, व्यासपीठ पर बोलने में आत्मविश्वास बढ़ना।

(*x*) आकलन शक्ती बढ़ती है।

(*xi*) बोलने में हावभावसह उतार-चढ़ाव लाता है।

(*xii*) आपस में सहकार्य भावना।

(*xii*) पाठ की कथावस्तु आसानी से समझता है।

अथवा

व्याकरण अनुवाद प्रणाली की त्रुटियाँ :

(*i*) अस्वाभाविक

(*ii*) अरुचिप्रद

(*iii*) असमर्थता

(iv) कठिनता

(v) अमनोवैज्ञानिक

(vi) गुलाम

(vii) उपेक्षा

(मुद्दे स्पष्टीकरण 3 अंक)

(3) **हिंदी शिक्षा के विशेष उद्देश्य :** 3

(i) हिंदी की बातें ग्रहण करना व क्षमता बढ़ाना।

(ii) हिंदी बोल सके, संभाषण क्षमता बढ़ायेंगे।

(iii) हिंदी भाषा आरोह-अवरोह, प्रवाह में पढ़ने की क्षमता बढ़ाना।

(iv) हिंदी भाषा के प्रति अभिरुचि बढ़ाना।

(v) हिंदी भाषा द्वारा राष्ट्रप्रेम तथा एकात्मता भाव।

(vi) हिंदी साहित्य एवं साहित्यकारों का परिचय।

(vii) हिंदी कविता, प्रार्थना, समूह गान।

(viii) हिंदी कार्यक्रमों में सहयोग का मौका।

(ix) हिंदी एकांकी सहयोग प्रेरणा देंगे।

अथवा

आशय विश्लेषण के प्रमुख घटक :

(i) मुख्य घटक

(ii) उपघटक

(iii) उद्देश्य

(iv) तासिका विभाजन

(v) मुहावरे और कहावतें

(vi) व्याकरण

(vii) पाठ्यांश-महत्वपूर्ण मुद्दे

(viii) तफशील

(ix) संबोध एवं व्यक्तिगत विकास।

(4) **देवनागरी लिपि की विशेषताएँ :** 3

(i) उच्चारण और लेखन में एकरूपता।

(ii) एक ध्वनि एक संकेत। एक चिह्न।

(iii) लिपि सरल, सहज।

(iv) स्वर और व्यंजनों को अलग चिह्न।

(v) लिपि सुपाठ्य है।

(vi) व्यंजन-संयोग की पद्धति पूर्ण है।

(vii) लिपि लेखन के लिए सरल।

(viii) मुद्रण आसानी से किया जाता है।

(ix) लिपि सर्वजन सुलभ है।

(x) लिपि सुधारित और सुंदर है।

(xi) वर्गीकरण वैज्ञानिक दृष्टि से है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 से 250 शब्दों में लिखिए :

(1) लेखन के उद्देश्य : 4

(i) आत्माभिव्यक्ति

(ii) प्रचार

(iii) सुसंस्कार

(iv) मन:शांति

(v) प्रबोधन

हस्ताक्षर सुधार कैसे :

(i) वर्णमाला का सही ज्ञान।

(ii) अक्षर लेखन के लिए मार्गदर्शन।

(iii) सुंदर, सुवाच्य लेखन का अभ्यास।

(iv) अक्षरों का आकार ज्ञान देना।

(v) शिरारेखाओं का अभ्यास।

(vi) अनुस्वार एवं विरामचिह्न का उपयोग।

(vii) सुंदर हस्ताक्षर नमूना दिखाना।

(viii) दो, रेघ, चार रेघ कागज पर लेखन अभ्यास

(उद्देश्य स्पष्टीकरण 2 अंक, हस्ताक्षर सुधार 2 अंक)

(2) **सर्वनाम :**

संज्ञा के स्थान पर प्रयोग में आने वाले विकारी शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।

सर्वनाम के भेद :

(*i*) पुरुषवाचक सर्वनाम-परिभाषा

उदा. : मैं, हम

(*ii*) निश्चयवाचक सर्वनाम-परिभाषा

उदा. : यह, ये

(*iii*) अनिश्चयवाचक सर्वनाम-परिभाषा

उदा. : कोई, कुछ

(*iv*) संबंधवाचक सर्वनाम-परिभाषा

उदा. : जिसकी, उसकी

(*v*) प्रश्नवाचक सर्वनाम-परिभाषा

उदा. : क्या, कैसा

(*vi*) निजवाचक सर्वनाम-परिभाषा

उदा. : आप, स्वयं

(*vii*) आदरसूचक सर्वनाम-परिभाषा

उदा. : आप आईये।

(सर्वनाम परिभाषा 1 अंक, भेद-परिभाषा उदा. 3 अंक)

अथवा

विरामचिह्न :

(*i*) अल्पविराम ,

(*ii*) अर्धविराम ;

(*iii*) पूर्णविराम ।

(*iv*) प्रश्नविराम ?

(*v*) विस्मयादिबोधक चिह्न !

(*vi*) अवतरण विराम " "

(*vii*) अपूर्ण विराम :

(*viii*) संयोजक चिह्न (-)

(*ix*) निर्देशक चिह्न (—)

(*x*) कोष्ठक ( ) { }

(*xi*) लोप विराम .....

(*xii*) त्रुटि चिह्न ∨, ∧

(विरामचिह्न और उनके उदा. 4 अंक)

(3) **हिंदी पाठ्यपुस्तक की विशेषताएँ :**

आंतरिक विशेषताएँ : 4

(*i*) विषय सामग्री

(*ii*) उपदेशात्मक, मनोरंजक

(*iii*) विषय सामग्री में समवाय

(iv) मौलिकता

(v) भाषाशैली

(vi) विषय सामग्री प्रस्तुतीकरण

(vii) परिभाषा एवं स्वाध्याय

(सभी मुद्दे, उपमुद्दे-स्पष्टीकरणसह 4 अंक)

अथवा

कक्षा छठी पाठ्यपुस्तक विश्लेषण :

(i) पाठों की तात्विक सामग्री

(ii) पाठों का वर्गीकरण :

चित्रवाचन पाठ, आकलन, गद्यपाठ, कहानी, संवादात्मक, संस्मरण, पद्यपाठ, कविताएँ, पत्रलेखन, पहेलियाँ, मुहावरे आदि।

(iii) भाषिक स्तर -

(iv) स्वाध्याय -

(4 मुद्दे, उपमुद्दे, स्पष्टीकरण 4 अंक)